उत्तराखण्ड उधमसिंह नगर ब्लॉक गदरपुर खटीमा बनराजी आदिवासी कार्यक्षेत्र एवं वन गुज्जर गांव में चिंतन एवं एम के एस द्वारा कोविड 19 से सुरक्षा,रोकथाम व वैक्सीन के लिए समुदाय में कोरोना जागरूकता अभियान में माह जून में कार्यक्षेत्र के आदिवासी एवं वन गुज्जर गांव में समुदाय के 10 गाँवों में covid 19 को लेकर पोस्टर पर्चे के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र

1- प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र दिनेशपुर

2- प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गुलरभोज

उपकेंन्द्र

कालीनगर

गूलरभोज

दिनेशपुर

भजपुरी

जागरूकता अभियान में आशा कार्यकर्ती आगनबाड़ी व अभियान के तहत गाँव गाँव मे ग्रामीणों को कोविड-19 जैसे वैश्विक महामारी की जानकारी दी गई और कोविड-19 के रोकथाम एवं बचने के उपाय बताएं गये। साथ ही टीकाकरण अभियान के तहत क्षेत्र में जो गलत भ्रांतियां फैली हुई है जिसके लोग भय के कारण टीका नहीं लगवा रहे हैं। गलत अफवाह भ्रांतियां को दूर कर जागरूक करने का प्रयास किया गया।और ग्रामीणों को टीका लगवाने के लिए प्रेरित किया गया तथा बताया गया कि अधिक से अधिक लोग टीका करण सेंटर में जाकर टीका लगवाएं।

महिलाओं को माहवारी के दौरान होने वाले संक्रमण के प्रति जागरूकता अभियान में

सेनेटरीनेपकिन को लेकर किशोरियों व महिलाओं के साथ बातचीत व चर्चा की गई।

माहवारी में वैक्सीन टीकाकरण से माहवारी बन्ध हो जाती है लोगो की भ्रांतियां को दूर करने के साथ निम्नलिखित जानकारिया दी गयी।

बार-बार साबुन, पानी से 40 सेकंड तक हाथ धोएं

बार-बार अपना चेहरा, नाक या मुंह न छुएं।

मेहमानों को न आमंत्रित करें और न किसी के घर मिलने जाएं

बातचीत करते समय कम से कम एक मीटर की दूरी रखें।

सार्वजानिक वितरण प्रणाली के प्रति समुदाय स्तर पर जागरूकता

सरकारी योजनाओं को लेकर ग्राम स्तर पर जानकारी मुहय्या करवाना तथा लाभार्थी तक उसकी पहुच बनाना

सस्ते गल्ले की दुकानों से सम्पर्क कर लाभर्थियों को सरकारी गाइड लाइन के अनुसार राशन वितरण करवाना।

RT-PCR कोविड जाँच एवं कोविड टीकाकरण अभियान ग्राम पंचायत स्तर पर प्रत्येक ए० एन० एम० सेंटर, आंगनबाड़ी केन्द्र, जनमिलन केंद्र या पंचायत भवन पर पोषटर पर्चे वितरण

गर्भवती महिलाओं का अतिरिक्त सुरक्षा सुनिश्चित करना इस माहौल में गर्भावस्था से पहले और बाद में महिलाओं को सुरक्षित स्वास्थ्य के लिए सरकार द्वारा सुविधा का लाभ प्राप्त करना

जिन महिलाओं को प्रेग्नेंसी के दौरान कोरोना हुआ है, उनका अधिकार है।कि उन्हें उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा सेवा प्राप्त कराना।

कोरोना महामारी को देखते हुए प्रेग्नेंट महिलाओं को बिना किसी कारण घर से बाहर नहीं निकलने के लिए जागरूक करना

गर्भवती महिलओं को गुणवत्ता पूर्ण स्वास्थ्य सुविधाओ का लाभ प्राप्त होगा तथा गर्भावस्था के दौरान कोविड 19 से देखभाल पर उचित जानकारी व सहायता प्राप्त होगी

भवन पर किये जाने की देखरेख व ग्रामीणों को उसका लाभ प्राप्त करने हेतु जागरूक करना

जागरूकता अभियान के दौरान गाँव गाँव मे गलत भ्रांतिया___

अधिकतर गाँव लोगो का मानना था कि धुँआ करने से कोरोना भाग जाएगा

गर्भवती महिलाएं और दूध पिलाने महिलाओं को नहीं लगवानी चाहिए ये वैक्सीन

कोरोना वायरस के संक्रमण से गर्मी में ज्यादा होता है

टीकाकरण से बाझपन

धात्री महिलाओ को दूध पिलाने से बच्चो का दिव्यांग होना।

माहवारी बन्ध होना

गर्भावश्ता में दिक्कत

ज्यादातर महिलाओ के लिये परेशानियां का गलत अफवाह

सरकार से संपर्क___

आशा कार्यकर्ती एवं आगनबाडी से संपर्क--सरकार के साथ आशा,आगनबाडी को कोरोना किट उपलब्ध कराने हेतु स्वास्थ्य विभाग से संपर्क

जागरुकता अभियान में टीकाकरण लगाने पर निम्न बातों पर रखे ध्यान रखें पर भी समुदाय में जागरूक किया गया।

◆ टीकाकरण के समय भूखे पेट न जाये

●अगर तबियत खराब है तो टिका ना लगवाये ●

अगर लंबे समय से दवाई खा रहे है तो टिका लगाने के लिए डॉ का सलाह ले

◆वैक्सिन लगाने के बाद एक दिन घर मे आराम करें

◆टीकाकरण के जगह में 2 गज की दूरी बनाए मास्क जरूर पहने

◆टिका लगाने के बाद शरीर मे दर्द बुखार जहां टिके लगा है वहा दर्द होना आम वात है

◆अगर दो तीन दिन से दिक्कत रहता है तो डॉ का सलाह जरूर लें।

पोस्टर,पोमलेट,बातचीत व आपसी चर्चा के माध्यम से जागरूकता अभियान कार्यक्रम समुदाय स्तर पर किया गया।